ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2000 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860,
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम: रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 14 **अंक – 54** **अप्रैल–जून 2010**

इस अंक में

1. मुख्य रेलपथ इंजीनियर (ट्रैक मशीन) का सेमिनार
2. उप मुख्य इंजीनियर (डिजाइन) का वर्कशॉप
3. रेल सप्ताह समारोह
4. प्राध्यापक, ट्रैक मशीन का ऑस्ट्रिया दौरा
5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 107वीं बैठक
6. तकनीकी फिल्म का प्रदर्शन
7. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर का आयोजन
8. कार्यशाला का आयोजन
9. अन्य पाठ्यक्रम
10. बधाई/शुभकामनाएं
11. स्वागत
12. शब्द–ज्ञान
13. कविता
14. सृजन

1. मुख्य रेलपथ इंजीनियर (ट्रैक मशीन) का सेमिनार

दिनांक 17 एवं 18 जून, 2010 को इरिसेन में मुख्य रेलपथ इंजीनियर (ट्रैक मशीन), मुख्य इंजीनियर (ट्रैक मशीन) के लिए सेमिनार आयोजित किया गया । कार्यसूची की मदों पर विचार विमर्श के अलावा सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए: उप मु.इंजी., सीपीओएच, रायनपाडू, उप मुख्य इंजी., सीपीओएच, इलाहाबाद द्वारा ''इंम्प्रूविंग एफिशिएन्सी एंड प्रोडक्टिविटी ऑफ ट्रैक मशीन,'' मेसर्स क्युमिन्स इंडिया लिमिटेड द्वारा ''क्युमिन्स इंजन की एफिसिएन्सी बढ़ाना'' एवं मुख्य इंजी., ट्रैक मशीन, दमरे द्वारा ''स्क्रिनिंग ऑफ टर्नआऊट बाय बीसीएम,'' मुख्य इंजी. (ट्रैक मशीन), दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा ''एक्सपीरिएन्स ऑफ इम्प्लिमेंन्टेशन ऑफ टीएम–115 रिपोर्ट'' पर प्रस्तुतीकरण दिए । प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की सराहना की गई ।



मुख्य रेलपथ इंजीनियर (ट्रैक मशीन) के सेमिनार का दृश्य

2. उप मुख्य इंजीनियर (डिजाइन) का वर्कशॉप

दिनांक 13 अप्रैल, 2010 को इरिसेन में उप मुख्य इंजीनियर (डिजाइन) के लिए वर्कशॉप आयोजित किया गया । वर्कशॉप में भिन्न–भिन्न संरचनाओं के डिजाइन पहलू पर विचार–विमर्श के साथ–साथ निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए:



उप मुख्य इंजीनियर(डिजाइन) के वर्कशॉप का दृश्य

संरक्षक
ए. के. गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
नीलमणि
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

रेल संरक्षा आयुक्त, दक्षिण परिमंडल के श्री के.जे.एस.नायडू, द्वारा ''रेल संरक्षा आयुक्त से मंजूरी से संबंधित मामले,'' डायरेक्टर, कन्स्ट्रक्शन डायगनोसिस सेंटर, पुणे के श्री रवि रानडे द्वारा ''रीट्रोफिटिंग ऑफ इम्पोर्टेंट बिल्डिंग इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट पॉलिसी,'' प्रबंध निदेशक, गेमन इंडिया लिमिटेड के श्री एस.ए.रेड्डी द्वारा ''लेटेस्ट ब्रिज टेक्नॉलजि,'' सेवा निवृत्त प्राध्यापक एवं डिपार्टमेंट ऑफ अप्लाइड मेकेनिकल इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे के एचओडी श्री वी.एल.शाह द्वारा ''लिमिट स्टेट डिजाइन फिलॉसफी एवं चेंज इन न्यू आई एसः 456 कोड,'' उप मुख्य इंजीनियर, सीडी, बीबीएस, पू.त.रेल के डॉ. ए.के. शुक्ला द्वारा '' क्लीअरेन्स ऑफ रोलिंग स्टॉक ऑन ब्रिज,'' के अलावा कार्यसूची मदों एवं उप मुख्य इंजीनियर (डिजाइन) द्वारा उठाए गए मामलों पर चर्चा की गई। कार्यशाला सार्थक एवं सफल रही।

3. रेल सप्ताह समारोह



रेल सप्ताह के दौरान निदेशक, इरिसेन संबोधित करते हुए

संस्थान में दिनांक 16 अप्रैल, 2010 को रेल सप्ताह मनाया गया। संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं इरिसेन कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेल सप्ताह के अवसर पर निदेशक, इरिसेन ने सभी उपस्थित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और इरिसेन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सप्ताह के दौरान आईपीडब्ल्यूई (आई), 2010 तकनीकी सेमिनार में माननीय रेल राज्य मंत्री द्वारा घोषित पुरस्कार राशि का वितरण भी संकाय एवं कर्मचारियों में किया गया।

4. प्राध्यापक, ट्रैक मशीन का ऑस्ट्रिया दौरा

श्री मनोज अरोरा, प्राध्यापक, ट्रैक मशीन दिनांक 31 मई से 11 जून, 2010 तक ऑस्ट्रिया में प्लासर एवं थ्योरर में रेलपथ मशीन से संबंधित अध्ययन दौरे पर थे। आपने मशीन के संचालन के दौरान आनेवाली विभिन्न कठिनाईयां एवं मशीनों की कार्यप्रणाली के सिद्धान्तों पर प्रशिक्षण ग्रहण किया। इस अध्ययन दौरे में रेलपथ मशीनों के निर्माण, संचालन एवं संरक्षण से संबंधित विषयों पर गहन चर्चा की गई। आपने ऑस्ट्रिया में चलने वाली विभिन्न मशीनों को फील्ड में जाकर कार्य के दौरान निरीक्षण भी किया जिससे वहां प्रयुक्त आधुनिकतम तकनीकों के बारे में अद्यतन ज्ञान अर्जित करने में सहायता मिली। प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान इरिसेन के प्रशिक्षु अधिकारियों में फैलेगा तथा उन्हें रेलपथ मशीन संचालन के संबंध में इससे व्यापक लाभ मिलेगा।

5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 107 वीं बैठक



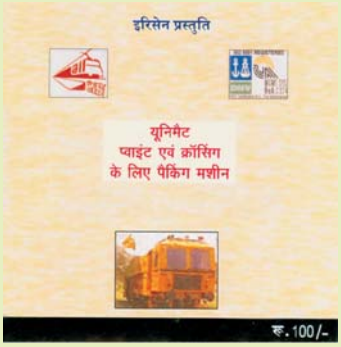
राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 107वीं बैठक का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 12 मई, 2010 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 107 वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। हिंदी में डब की गई तकनीकी फिल्म ''युनिमैट–प्वाइंट एवं क्रॉसिंग की पैकिंग मशीन'' देखने हेतु आमंत्रित रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के गैर सरकारी सदस्य डॉ. दामोदर खडसे, सी–डैक के श्री रघुवंशी, मध्य रेल के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री आशुतोष मनुज एवं हिंदी शिक्षण योजना के श्री आर.के वर्मा का विशेष रुप मे स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया। बैठक में राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वप्रथम श्री मनोज अरोरा, उपमुराधि एवं प्राध्यापक ट्रैक मशीन तथा श्रीमती विद्या धानेकर, कार्यालय अधीक्षक, भंडार को हिंदी में अधिकाधिक काम करने के लिए रेलवे बोर्ड स्तर का व्यक्तिगत नकद पुरस्कर एवं प्रमाण–पत्र मिलने पर हार्दिक बधाई दी गई। तकनीकी संस्थान होने के बावजूद यहां तकनीकी पुस्तकों एवं फिल्मों के हिंदी रुपांतरण, प्रयोगशाला की सामग्री द्विभाषी उपलब्ध कराने की कोशिश पर अधिक जोर दिया गया।

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक ट्रैक मशीन, श्री मनोज अरोरा ने संस्थान में हिंदी में मुद्रित पुस्तकों में से 'रेल जोडों की देखभाल' पुस्तक की रेकॉर्ड तोड़ बिक्री पर प्रसन्नता व्यक्त की।

6. तकनीकी फिल्म का प्रदर्शन

संस्थान के निदेशक के मार्गदर्शन में तथा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, ट्रैक मशीन, श्री मनोज अरोरा द्वारा तकनीकी फिल्म ''युनीमैट प्वाइंट एवं क्रॉसिंग के लिए पैकिंग मशीन'' का हिंदी में डबिंग का कार्य किया गया था। इरिसेन के स्थापना दिवस समारोह में इस फिल्म का विधिवत विमोचन माननीय सदस्य इंजीनियरिंग, श्री राकेश चोपड़ा के हाथों किया गया। प्रचार–प्रसार की दृष्टि से इस फिल्म का प्रदर्शन दिनांक 12 मई, 2010 को किया गया जिसमें रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के गैर सरकारी सदस्य डॉ. दामोदर खडसे



फिल्म के कवर पृष्ठ का दृश्य

तथा सी–डैक के सलाहाकर कर्नल रघुवंशी को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था । उप महाप्रबंधक (राजभाषा), मुख्यालय, मध्य रेल के श्री आशुतोष मनुज एवं हिंदी शिक्षण योजना, पुणे कार्यालय के सहायक निदेशक श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे । डॉ खडसे ने 'यूनीमैट प्वाइंट एवं क्रॉसिग के लिए पैकिंग मशीन'' फिल्म का गहनता से निरीक्षण किया तथा तारीफ की एवं अपनी समीक्षा में कहा कि तकनीकी फिल्म होने के बावजूद इसका हिंदी रुपांतरण सटीक एवं सरल है । उन्होंने तकनीकी शब्दों के हिंदी में हूबहू प्रयोग को अनुवाद की सहजता में सहायक बताया । डॉ. खडसे ने फिल्म की समीक्षा मे यह भी कहा ''रेल यात्रियों के लिए ही जीवन रेखा नहीं है बल्कि हिंदी के लिए भी जीवन रेखा है। रेल की छत्र–छाया में हिंदी भी खूब फली–फूली है।''

सी–डैक के सलाहाकर कर्नल रघुवंशी ने भी फिल्म की तारीफ की और तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी संस्थान में राजभाषा में किए जा रहे भरपूर कार्य की खूब सराहना की । उप महाप्रबंधक (राजभाषा), मुख्यालय मध्य रेल के श्री आशुतोष मनुज ने भी संस्थान में निर्मित तकनीकी फिल्म पर अपने विचार व्यक्त किए और आशा व्यक्त किया कि फिल्म सभी वर्ग के रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए लाभकारी होगा । हिंदी शिक्षण योजना, पुणे कार्यालय के सहायक निदेशक श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा ने संस्थान में हिंदी प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की ।

तकनीकी फिल्मो के हिंदी रुंपातरण की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब इसका प्रदर्शन रेल के सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े कार्यालयों में किया जाएगा और इसका भरपूर लाभ उठाया जाएगा।

7. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर का आयोजन



इरिसेन छात्रावास में रक्तदान करते हुए अधिकारीगण

इरिसेन छात्रावास में दिनांक 10 अप्रैल, 2010 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान किया । रक्तदान शिविर का आयोजन स्व. दीनानाथ मंगेशकर हॉस्पीटल, पुणे के तत्वाधान में किया गया । रक्तदान का उद्देश्य लोगों में सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरुकता पैदा करना था ।

8. कार्यशाला का आयोजन

संस्थान में दिनांक 12 मई, 2010 को गृहमंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा प्रदत्त सॉफ्टवेयर 'यूनीकोड' के माध्यम से कंप्यूटर में हिंदी में किए जा रहे कार्य के साथ–साथ अन्य सॉफ्टवेयर द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्य को यूनीकोड में कनवर्ट करने के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक, श्री. आर. के. वर्मा ने कंप्यूटर पर काम करनेवाले सभी कर्मचारियों को कार्यशाला के दौरान यूनीकोड के उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए उपस्थित कर्मचारियों को यूनीकोड सक्रिय करने की पद्धति से अवगत कराया तथा अभ्यास कराया । सी–डैक द्वारा निर्मित फांट कनवर्टर एवं श्रुतलेखन सॉफ्टवेअर की भी विस्तृत जानकारी दी । कार्यशाला सार्थक एवं उपयोगी साबित हुआ ।

9. अन्य पाठ्यक्रम

1. दि. 12/04/10 से दि. 16/04/10 तक 'रेलवे फार्मेशन एवं जियो तकनीकी जांच' पर विशेष पाठ्यक्रम ।
2. दि. 19/04/10 से दि. 07/05/10 तक 'ब्रिज डिजाइन असिस्टेंट' पर विशेष पाठ्यक्रम । (अर्थक्वेक कंप्लाएंट स्ट्रक्चर सहित)
3. दि. 26/04/10 से दि. 30/04/10 तक 'ब्रिज एवं आर्च ब्रिज के निरीक्षण' पर विशेष पाठ्यक्रम ।
4. दि. 10/05/10 से दि. 21/05/10 तक 'वरिष्ठ अधीनस्थ एवं प्रशिक्षकों (पुल मॉड्युल)' पर विशेष पाठ्यक्रम ।
5. दि. 17/05/10 से दि. 21/05/10 तक 'भूमि प्रबंधन, मॉडर्न बिल्डिंग एवं बिल्डिंग सामग्री ' पर विशेष पाठ्यक्रम ।
6. दि. 07/06/10 से दि. 18/06/10 'ग्रेजुएट इंजीनियर के लिए (रेलपथ संवर्ग के अलावा)' पर विशेष पाठ्यक्रम ।
7. दि. 14/06/10 से दि. 18/06/10 तक 'गर्डर के स्ट्रक्चर एवं लांचिंग के लिए फार्मवर्क' पर विशेष पाठ्यक्रम ।

10. बधाई / शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

03 जुलाई	विवेक भूषण सूद	प्राध्यापक पुल
18 सितंबर	श्याम खोचे	स.कार्य. इंजी 2

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

04 अगस्त	विवेक भूषण सूद	प्राध्यापक पुल

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

14 जुलाई	श्रीमती नेहा सप्तर्षि	सहा. ग्रंथपाल
16 जुलाई	श्रीमती विद्या रवींन्द्र सावंत	लेखा लिपिक

20 जुलाई	श्री हरि विश्वकर्मा	कारपेन्टर ग्रेड –I
23 जुलाई	श्री राजू ताराचंद	वरिष्ठ सफाईवाला
11 अगस्त	श्री राजन	सहायक रसोइया
12 अगस्त	श्रीमती शांती सर्वनन	खलासी
12 अगस्त	श्री रामू तायप्पा	खलासी
21 अगस्त	श्री विनायक ना. सोहोनी	सेक्शन इंजी.
22 अगस्त	श्री लव प्रकाश श्रीवास्तव	खेलकूद अधी.
24 अगस्त	श्रीमती विद्या जम्मा	निजी सचिव ग्रेड – II
01 सितंबर	श्री कुंडलिक तुकाराम मोरे	खलासी
10 सितंबर	श्री रमेश दादू माली	माली
12 सितंबर	श्री विजय हीरामन	खलासी
12 सितंबर	श्रीमती उर्जिता फडके	लेखा सहायक
18 सितंबर	श्री प्रवीण रासकर	खलासी
21 सितंबर	श्री शिवशंकर शिंगे	खलासी

कर्मचारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

06 जुलाई	श्री एम. पेची	रसोइया
07 जुलाई	श्री परमेश्वर	खलासी
11 जुलाई	श्रीमती नेहा सप्तर्षि	सहायक ग्रंथपाल
21 जुलाई	श्री पी. विजयन	रसोइया

11. स्वागत



इरिसेन में कार्यरत श्री मनोज अरोरा, प्राध्यापक, ट्रैक मशीन एवं पूर्व उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में पदोन्नति पर नियुक्ति, वरिष्ठ प्राध्यापक,रेलपथ–I के रुप में, संस्थान में ही हुआ है । इरिसेन परिवार आपको हार्दिक बधाई देता है और संस्थान में आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



श्री नीलमणि, प्राध्यापक, रेलपथ ने दिनांक 28 मई, 2010 से इरिसेन के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।

1997 में खेलकूद कोटे से रेल सेवा में प्रविष्ट, श्रीमती विद्या रवीन्द्र सावंत, ने इरिसेन में दि. 23 जून, 10 को लेखा लिपिक के रिक्त पद का भार ग्रहण कर लिया है । इसके पूर्व आप मंडल रेल वित्त प्रबंधक, मुंबई में कार्यरत थीं । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।

12. शब्द ज्ञान

Unacceptable	अस्वीकार्य	Undesirable	अवांछनीय
Unauthorised	अप्राधिकृत	Unforeseen	अदृष्ट, अनपेक्षित
Uncertain	अनिश्चित	Uniformity	एकरूपता
Unconditional	बिना शर्त, अशर्त	Unworthy	अयोग्य
Under consideration	विचाराधीन	Utility	उपयोगिता

13. कविता

आज की लहलहाती फसल

एक बेटा सिगरेट का सुकटा मारते
अपने पूज्य बाप के सामने से आ रहा था
निर्लज्ज मुंह में चूइंगम चबाते
त्वमेव माता च पिता त्वमेव गा रहा था

खटिया पर पड़ा जर्जर बाप
अपने बालों को नोच रहा था
परवरिश में ही हुई होगी कुछ खोट
वह यही सोच रहा था

लगभग कराहते उसने पूछा
क्यों तेरा सारा जमीर सो गया है
भूलकर की गई मुझ पर घोड़े की सवारी
कर्तव्य विमुख क्यों हो गया है ।

बेटा बोला मैं जो भी आज कर रहा हूँ
वह आपसे ही सीखा है
आप जो अपने बाप से करते थे
उसके सामने यह बहुत फीका है

इस युग में सभी समीकरण सार्थक होते हैं
जो आप बोते हैं वही तो फसल बनाकर खाते हैं ।

– श्याम खोचे
स.का.इंजी.–II

14. सृजन

बहुत सारे लोग कभी कुछ करने की कोशिश ही नहीं करते हैं, क्योंकि वे असफलता से डरते हैं । उन्हें डर लगता है कि कहीं कोई उनकी आलोचना करेगा या उनकी हंसी उड़ाएगा । उन्हें यह समझना चाहिए कि वे कभी भी यह जान नहीं पाएंगे कि वे कितनी दूरी तय कर सकते हैं, जब तक कि वे आगे नहीं बढ़ेंगे । यदि सकारात्मक रवैया अपनाते हुए कार्य आरंभ कर दिया जाए तो ऐसी कोई बाधा आपके अड़चन नहीं आएगी । बस ! सोच सकारात्मक होनी चाहिए ।

परमेश्वर सत्य है, यह कहने के बजाए सत्य ही परमेश्वर है यह कहना अधिक उपयुक्त है ।
– महात्मा गांधी

नीलमणि, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स, **कल्याणी कॉर्पोरेशन,** 1464, सदाशिव पेठ, पुणे– 30. फोन : 24486080 द्वारा मुद्रित । (3000 प्रतियां)